ज्ञान व कौशल से देश का मार्ग प्रशस्त करें

उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में विभिन्न पाठ्यक्रमों में सर्वश्रेष्ठ अंक पाने वाले छात्रों को गोल्ड मेडल व प्रशस्ति पत्र वितरित करतीं महामहिम मार्ग्रेट आल्वा। फोटो : एसएनबी

देहरादून (एसएनबी)। आंखों में सुनहरे भविष्य का सपना और मन में कुछ कर गुजरने की तमन्ना लिए करीब पांच हजार छात्रों ने जीवन के दूसरे पड़ाव में कदम रखा। मौका था उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह का। विभिन्न पाठ्यक्रमों के टॉपर छात्रों को विश्वविद्यालय की कुलाधिपति व राज्यपाल श्रीमती मार्ग्रेट आल्वा ने गोल्ड मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। राज्यपाल श्रीमती आल्वा ने मेधावी छात्र ज्ञान व कौशल से प्रगतिशील भारत के निर्माण का मार्ग को प्रशस्त करें।

शनिवार को एफआरआई के सभागार में टीयू के दूसरे दीक्षांत समारोह का शुभारम्भ राज्यपाल श्रीमती आल्वा ने किया। श्रीमती आल्वा ने कहा कि विकास के लक्ष्य को हासिल करने के लिए इंजीनियरिंग, चिकित्सा, तकनीकी व विज्ञान समेत सभी क्षेत्रों को एक साथ लेकर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि तकनीकी विश्वविद्यालय को अपनी क्षमताओं में वृद्धि करनी होगी, ताकि विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले राज्य के विकास में आने वाली चुनौतियों का सामना किया जा सके। राज्य के विकास के लिए ऐसी तकनीक की आवश्यकता है जो प्रदेश वासियों की सामाजिक व सांस्कृतिक आवश्यकताओं को पूरी करती हो। राज्यपाल ने उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों से अपना भविष्य संवारने के साथ ही अपनी शक्ति का उपयोग राष्ट्र निमार्ण में करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तकनीकी विश्वविद्यालय को उत्तराखण्ड के विजन 2020 को ध्यान में रखकर अपने शैक्षणिक प्रयास व योजनाएं तैयार करनी चाहिए। उन्होंने आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होने के लिए विश्वविद्यालय की सराहना की।

- एजुकेशन हब के रूप में विकसित हो रहा है उत्तराखंडः निशंक
- तकनीकी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में छात्रों को प्रदान की गई उपाधियां

मुख्यमंत्री डा. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने कहा कि उत्तराखंड एजुकेशन हब के रूप में विकसित हो रहा है। राष्ट्रीय स्तर के सात संस्थानों समेत करीब 14 विश्वविद्यालयों के संचालन से उत्तराखण्ड मॉडल स्टेट बनने की ओर अग्रसर है। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. एसएस मन्था ने उत्तराखण्ड में आईटी क्षेत्र की अपार संभावनाएं है। इससे न सिर्फ पलायन पर अंकुश लगेगा, बल्कि ग्रामीण भारत के उत्थान का सपना भी साकार होगा।

इससे पूर्व समारोह में कुलाधिपति व राज्यपाल श्रीमती आल्वा ने बीटेक, एमटेक, बीफार्मा, एमफार्मा, एमसीए, बीएचएमसीटी समेत विभिन्न पाठ्यक्रमों में सर्वश्रेष्ठ अंक हासिल करने वाले छात्रों को गोल्ड मेडल व प्रशस्त्रि प्रदान किया। साथ ही चार लोगों को पीएचडी की उपाधि दी गई। टीयू के कुलपति प्रो. डीएस चौहान वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. बीके गैरोला व प्रो. एसके जोशी को डॉक्टर ऑफ सांइस (मानद) उपाधि देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा राकेश शर्मा, प्रति कुलपति डा. एचसी नैनवाल, कुलसचिव सीएस मेहता समेत विवि व विभिन्न संस्थानों के पदाधिकारी मौजूद थे।

हौसले के साथ आगे बढ़ने की चाहत

देहरादून (एसएनबी)। हाथों में डिग्री व गले में गोल्ड मेडल लिए उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय के टॉपरों के हौसले बुलन्द है। चेहरे पर अभी आगे बढ़ने का ललक बरकरार है। कुछ शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं तो कुछ अपने भविष्य के साथ प्रदेश को भी संवारने की इच्छा रखते है।

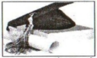

एमबीए में गोल्ड मेडल हासिल करने वाली तुलाज की छात्रा नेहा सिंघल ने शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करना चाहती है। नेहा का कहना है कि एमबीए के बाद पीएचडी एवं शोध करने की योजना है। बीटेक (सिविल) में गोल्ड मेडल हासिल करने वाली छात्रा स्मिता की अब इलाहाबाद एनआईटी में एमटेक की पढ़ाई कर रही है। स्मिता का लक्ष्य पीएचडी के बाद उत्तराखण्ड में टीचिंग करने की है। स्मिता ने बताया कि टीचिंग के जरिये प्रदेश की प्रतिभाओं को निखारने का कार्य करना चाहती है।

एमसीए पाठ्यक्रम की गोल्ड मेडलिस्ट ज्योति शर्मा कहना है कि प्रदेश में तकनीकी शिक्षा के विकास की बहुत संभावना है। वह अभी गुड़गांव में नौकरी कर रही है, लेकिन मौका मिलने पर उत्तराखंड के विकास में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने से पीछे नहीं हटेंगी। बीटेक (बीसीई) में गोल्ड मेडल हासिल करने के बाद आकांक्षा पाण्डे की खुशी का ठिकाना नहीं था। उन्होंने बताया कि वह शुरू से ही प्रोफेसर बनकर शिक्षा के क्षेत्र में करना चाहती हैं।

राष्ट्रीय सहारा